यहूदा

1 यीशु मसीह के सेवक और याकूब के भाई यहूदा की ओर से
तुम लोगों के नाम जो परमेश्वर के प्रिय तथा यीशु मसीह के लिए
सुरक्षित तथा परमेश्वर द्वारा बुलाए गए हैं।
2 तुम्हें दया, शांति और प्रेम बहुतायत से प्राप्त होता रहे।

पापी दण्ड पायेंगे

3 प्रिय मित्रो, यद्यपि मैं बहुत चाहता था कि तुम्हें उस उद्धार के
विषय में लिखूँ, जिसके हम भागीदार हैं। मैंने तुम्हें लिखने की और
तुम्हें प्रोत्साहित करने की आवश्यकता अनुभव की ताकि तुम उस
विश्वास के लिए संघर्ष करते रहो जिसे परमेश्वर ने संत जनों को
सदा-सदा के लिए दे दिया है। 4 क्योंकि हमारे समूह में कुछ लोग
चोरी से आ घुसे हैं। इन लोगों के दण्ड के विषय में शास्त्रों ने बहुत
पहले ही भविष्यवाणी कर दी थी। ये लोग परमेश्वर विहीन हैं। इन
लोगों ने परमेश्वर के अनुग्रह को भोग-विलास का एक बहाना बना
डाला है तथा ये हमारे प्रभु तथा एकमात्र स्वामी यीशु मसीह को
नहीं मानते।
5 मैं तुम्हें स्मरण कराना चाहता हूँ (यद्यपि तुम तो इन सब बातों
को जानते ही हो) कि जिस प्रभु ने पहले अपने लोगों को मिस्र की
धरती से बचाकर निकाल लिया था, बाद में जिन्होंने विश्वास को
नकार दिया, उन्हें किस प्रकार नष्ट कर दिया गया।* 6 मैं तुम्हें यह
भी याद दिलाना चाहता हूँ कि जो दूत अपनी प्रभु सत्ता को बनाए
नहीं रख सके, बल्कि जिन्होंने अपने निजी निवास को उस भीषण
दिन के न्याय के लिए अंधकार में जो सदा के लिए हैं बन्धनों मे

* **1:5:** प्रभु कुछ सब से पुराने और सर्वोत्तम यूनानी यहूदा प्रतियों में यहाँ “यीशु” है। यदि “यीशु” यहाँ मूल रूप से मान्य है तो पद 6 में भी “प्रभु” की जगह “यीशु” होना चाहिए।

रखा है। 7 इसी प्रकार मैं तुम्हें यह भी याद दिलाना चाहता हूँ कि
सदोम और अमोरा तथा आस-पास के नगरों ने इन दूतों के समान
ही यौन अनाचार किया तथा अप्राकृतिक यौन सम्बन्धों के पीछे
दौड़ते रहे। उन्हें कभी नहीं बुझने वाली अग्नि में झोंक देने का दण्ड
दिया गया। वे हमारे लिए उदाहरण के रूप में स्थित हैं।

8 ठीक इसी प्रकार हमारे समूह में घुस आने वाले ये लोग अपने
स्वप्नों के पीछे दौड़ते हुए अपने शरीरों को विकृत कर रहे हैं। ये
प्रभु के सामर्थ्य को उठाकर ताक पर रख छोड़ते है तथा महिमावान
स्वर्गदूतों के विरोध में बोलते हैं। 9 प्रमुख स्वर्गदूत माकाईल जब
शैतान के साथ विवाद करते हुए मूसा के शव के बारे में बहस
कर रहा था तो वह उसके विरुद्ध अपमानजनक आक्षेपों के प्रयोग
का साहस नहीं कर सका। उसने मात्र इतना कहा, “प्रभु तुझे डाँटे-
फटकारे।”

10 किन्तु ये लोग तो उन बातों की आलोचना करते हैं, जिन्हें ये
समझते ही नहीं और ये लोग बुद्धिहीन पशुओं के समान जिन बातों
से सहज रूप से परिचित हैं, वे बातें वे ही हैं जिनसे उनका नाश होने
को है। 11 उन लोगों के लिए यह बहुत बुरा है कि उन्होंने कैन का
सा वही मार्ग चुना। धन कमाने के लिए उन्होंने अपने आपको वैसे
ही गलती के हवाले कर दिया जैसे बिलाम ने किया था। सो वे ही
नष्ट हो जायेंगे जैसे कोरह के विद्रोह में भाग लेने वाले नष्ट कर दिए
गए थे।

12 ये लोग तुम्हारे प्रीति-भोजों में उन छुपी हुई चट्टानों के समान
हैं जो घातक हैं। ये लोग निर्भयता के साथ तुम्हारे संग खाते-पीते
हैं किन्तु उन्हें केवल अपने स्वार्थ की ही चिंता रहती है। वे बिना
जल के बादल हैं। वे पतझड़ के ऐसे पेड़ हैं जिन पर फल नहीं
होता। वे दोहरे मरे हुए हैं। उन्हें उखाड़ा जा चुका है। 13 वे समुद्र की
ऐसी भयानक लहरें हैं, जो अपने लज्जापूर्ण कार्यों का झाग उगलती

रहती हैं। वे इधर-उधर भटकते ऐसे तारे हैं जिनके लिए अनन्त गहन
अंधकार सुनिश्चित कर दिया गया है।

14 आदम से सातवीं पीढ़ी के हनोक ने भी इन लोगों के लिए इन
शब्दों में भविष्यवाणी की थी: "देखो वह प्रभु अपने हज़ारों-हज़ार
स्वर्गदूतों के साथ 15 सब लोगों का न्याय करने के लिए आ रहा है।
ताकि लोगों ने जो बुरे काम किए हैं, उन्हें उनके लिए और उन्होंने
जो परमेश्वर के विरुद्ध बुरे वचन बोले हैं, उनके लिए दण्ड दे।"

16 ये लोग चुगलखोर हैं और दोष ढूँढने वाले हैं। ये अपनी
इच्छाओं के दास हैं तथा अपने मुँह से अहंकारपूर्ण बातें बोलते
हैं। अपने लाभ के लिए ये दूसरों की चापलूसी करते हैं।

जतन करते रहने के लिए चेतावनी

17 किन्तु प्यारे मित्रो, उन शब्दों को याद रखो जो हमारे प्रभु
यीशु मसीह के प्रेरितों द्वारा पहले ही कहे जा चुके हैं। 18 वे तुमसे
कहा करते थे कि "अंत समय में ऐसे लोग होंगे जो परमेश्वर से जो
कुछ संबंधित होगा उसकी हँसी उड़ाया करेंगे।" तथा वे अपवित्र
इच्छाओं के पीछे-पीछे चला करेंगे। 19 ये लोग वे ही हैं जो फूट
डलवाते हैं।

20 ये लोग अपनी प्राकृतिक इच्छाओं के दास हैं। इनकी आत्मा
नहीं हैं। किन्तु प्रिय मित्रों तुम एक दूसरे को आध्यात्मिक रूप से
अपने अति पवित्र विश्वास में सुदृढ़ करते रहो। पवित्र आत्मा के
साथ प्रार्थना करो। 21 हमारे प्रभु यीशु मसीह की करुणा की बाट
जोहते हुए जो तुम्हें अनन्त जीवन तक ले जाएगी परमेश्वर की भक्ति
में लीन रहो।

22 जो डावाँडोल हैं उन पर दया करो। 23 दूसरों को आगे बढ़कर
आग में से निकाल लो। किन्तु दया दिखाते समय सावधान रहो
तथा उनके उन वस्त्रों तक से घृणा करो जिन पर उनके पापपूर्ण
स्वभाव के धब्बे लगे हुए हैं।

परमेश्वर की स्तुति

24 अब उसके प्रति जो तुम्हें गिरने से बचा सकता है तथा उसकी
महिमापूर्ण उपस्थिति में तुम्हें महान आनन्द के साथ निर्दोष करके
प्रस्तुत कर सकता है। 25 हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमारे
उद्धारकर्ता उस एकमात्र परमेश्वर की महिमा, वैभव, पराक्रम और
अधिकार सदा-सदा से अब तक और युग-युगांतर तक बना रहें।
आमीन!

पवित्र बाइबल
The Holy Bible, Easy Reading Version, in Hindi

copyright © 1992-2010 World Bible Translation Center

Language: हिंदी (Hindi)

Translation by: World Bible Translation Center

License Agreement for Bible Texts World Bible Translation Center Last Updated: September 21, 2006 Copyright © 2006 by World Bible Translation Center All rights reserved. These Scriptures: • Are copyrighted by World Bible Translation Center. • Are not public domain. • May not be altered or modified in any form. • May not be sold or offered for sale in any form. • May not be used for commercial purposes (including, but not limited to, use in advertising or Web banners used for the purpose of selling online add space). • May be distributed without modification in electronic form for non-commercial use. However, they may not be hosted on any kind of server (including a Web or ftp server) without written permission. A copy of this license (without modification) must also be included. • May be quoted for any purpose, up to 1,000 verses, without written permission. However, the extent of quotation must not comprise a complete book nor should it amount to more than 50% of the work in which it is quoted. A copyright notice must appear on the title or copyright page using this pattern: "Taken from the HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSIONTM © 2006 by World Bible Translation Center, Inc. and used by permission." If the text quoted is from one of WBTC's non-English versions, the printed title of the actual text quoted will be substituted for "HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSIONTM." The copyright notice must appear in English or be translated into another language. When quotations from WBTC's text are used in non-saleable media, such as church bulletins, orders of service, posters, transparencies or similar media, a complete copyright notice is not required, but the initials of the version (such as "ERV" for the Easy-to-Read VersionTM in English) must appear at the end of each quotation. Any use of these Scriptures other than those listed above is prohibited. For additional rights and permission for usage, such as the use of WBTC's text on a Web site, or for clarification of any of the above, please contact World Bible Translation Center in writing or by email at distribution@wbtc.com. World Bible Translation Center P.O. Box 820648 Fort Worth, Texas 76182, USA Telephone: 1-817-595-1664 Toll-Free in US: 1-888-54-BIBLE E-mail: info@wbtc.com WBTC's web site – World Bible Translation Center's web site: http://www.wbtc.org

2019-11-15

PDF generated using Haiola and XeLaTeX on 8 Sep 2021 from source files dated 18 Aug 2021

7f0fcd5b-bc85-55f6-933a-0de82e7ef275